भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 303

जिसका उत्तर 24 जुलाई, 2024 को दिया जाना है।

2 श्रावण, 1946 (शक)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जाना

303. श्री टी. एम. सेल्वागणपति :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सत्य है कि भारत में नौकरियों और उद्योगों पर अग्रणी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग का प्रभाव होगा और मौजूदा सफेदपोश नौकरियों में गिरावट का भी कारण होगा;

(ख) क्या एआई से संबंधित प्रमुख पुनःप्रशिक्षण और पुनर्कौशल प्रयासों के अलावा, सरकार औद्योगिक परिदृश्य में कार्य करने के लिए एआई मॉडलों हेतु आवश्यक सूचना और डेटा एकत्र करने वाली विनिर्माण कंपनियों की सॉफ्टवेयर सहित आपूर्ति श्रृंखलाओं की पुनर्प्राप्ति के लिए उनकी सहायता किए जाने में सहायक थी;

(ग) क्या नई एआई नौकरियां, जिनमें से अधिकांश भारत में सृजित होंगी क्योंकि हमारे पास बड़ी संख्या में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (स्टेम) में प्रशिक्षित स्नातक हैं, जिनमें से अधिकांश विश्व के किसी भी अन्य देश से कहीं अधिक एआई से परिचित हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): सरकार अगले दशक को 'इंडिया टेकडे' मानती है। विगत 9 वर्षों में भारत लाभ के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और अपने नागरिकों के जीवन को बदलने में एक प्रमुख राष्ट्र बन गया है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार भारत एआई प्रतिभा और कौशल पैठ में अग्रणी बना हुआ है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2024 इस बात पर प्रकाश डालता है कि भारत वैश्विक एआई कौशल पैठ दर और एआई प्रतिभा घनत्व में सबसे ऊपर है। भारत की एआई कौशल पैठ को संयुक्त राज्य अमेरिका (2.2) और जर्मनी (1.9) को पीछे छोड़ते हुए 2.8 पर आंका गया है। इसके अतिरिक्त, भारत की एआई प्रतिभा घनत्व में 2016 के बाद से 263% की वृद्धि के साथ महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है।

बीसीजी-नैसकॉम रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत में एआई बाज़ार में मज़बूत वृद्धि देखी जा रही है, जिसका अनुमान 25-35% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) पर लगाया गया है।

एआई के परिणामस्वरूप कुछ नियमित कार्यों को स्वचालित किया जा सकता है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप विभिन्न डेटा विज्ञान, डेटा क्यूरेशन आदि के क्षेत्र में रोजगार सृजन भी होगा। इसके लिए पुनर्कौशलन और कौशल उन्नयन की आवश्यकता होगी, जिसके लिए एमईआईटीवाई ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार के लिए आईटी जनशक्ति के पुनर्कौशलन / कौशल उन्नयन के लिए 'फ्यूचरस्किल्स प्राइम' नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत, अब तक 18.56 लाख+ उम्मीदवारों ने फ्यूचरस्किल्स प्राइम पोर्टल पर साइन-अप किया है, जिनमें से 3.37 लाख+ उम्मीदवारों ने अपना कोर्स पूरा कर लिया है।

नैसकॉम के साथ साझेदारी में एमईआईटीवाई द्वारा कार्यान्वित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए उत्कृष्टता केंद्र की योजना के तहत, स्टार्टअप को एआई आधारित ऐसे उपकरण और एप्लिकेशन विकसित करने के लिए सहायता दी जाती है जो विनिर्माण कंपनियों के लिए उपयोगी हैं। विनिर्माण क्षेत्र में कंपनियों द्वारा ऐसे कई समाधान नियोजित किए गए हैं।

इसके अलावा, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी), एमईआईटीवाई ने अपने भागीदारों के सहयोग से, स्कूली छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम 'युवाई: यूथ फॉर उन्नति एंड विकास विद एआई' को लागू किया है, जिसका उद्देश्य कक्षा 8 वीं से 12 वीं तक के स्कूली छात्रों को एआई तकनीक और सामाजिक कौशल के साथ समावेशी तरीके से सक्षम बनाना है। यह कार्यक्रम युवाओं को 8 विषयगत क्षेत्रों- कृषि, आरोग्य, शिक्षा, पर्यावरण, परिवहन, ग्रामीण विकास, स्मार्ट सिटीज और विधि और न्याय में एआई कौशल सीखने और लागू करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

******